

असाधार्ग EXTRAORDINARY

भाग ^{II}—चण्ड 3—उप-चण्ड (li) PART II—Section 3—Sub-Section (li)

प्राधिकार से प्रकासित PUBLISHED BY AUTHORITY

ei. 655]

नई बिल्ली, बुधवार, अन्तुबर 7, 1992/ आशिवन 15, 1914

No. 655]

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 7, 1992/ASVINA 15, 1914

इ.स. भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रसा वा सब्दे

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

विल मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

केन्द्रीय प्रत्यक्ष-करवीर्ध

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 7 धनतूबर, 1992

ग्रायकर

काद्या 75%(प्र) — केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड, प्राय-कर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 के साथ प्रिटेन घारा 17 के खांड (2) के प्रस्तुक के खाउ (11) के उपब्रड (वा) द्वारा प्रवत्त प्रात्नियों का प्रयोग करने हुए, प्राय-कर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निस्तलिखिन नियम बनाना है, प्रयोग.—

- 1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ--(1) इन नियमों का मिन्नानाम ग्राय-कर (उन्नीमवी संगोधन) नियम, 1992 है।
 - (2) ये पाजपत्न में प्रकाणन की तारीख को प्रकृत होगे।

2. श्राय-कर नियम, 1962 के भाग 2 के उपभाग क में नियम 3 के पणचान् निम्नालिखन श्रन्त-स्थापित किया जाएगा, श्रयति:---

मुख्यायका द्वारा अनुमीवित श्रम्पतालों मे विहित रोमो या व्याधियों के विकित्सीय उपचार की बावत परिलब्धि मुन्य से विकित्सीय,

फायदों की छट

"3क. (1) धारा 17 के खड़ (2) के परन्तुक के खंड (11) के उपखंड (ख) के प्रयोजनों के लिए किसी श्रस्थनाल को अनुमोशन देने में पूर्व मुख्यायका आपना यह समाजा करेगा , कि श्रस्तान स्थानीय प्राधिकारी के पास रिजस्ट्रीकृत है और निष्नालिखन श्रपेक्षाओं को पूरा करना है, श्रर्थान्:—

- (1) ग्रम्पताल के लिए प्रयुक्त भवन प्रवृक्त नगरपालिका उपविधियों का ग्रमुपाल करना है।
- (2) कक्षो में पर्याप्त गंवानन और, प्रकाण हैं और उन्हें स्त्रहण और स्वास्थ्यकर स्थिति में रखा गया है।
- (3) रोगियों के लिए कम से कम दम लोहे के स्थि। बाले विस्तरों की व्यवस्था की गई है।

2500 GI/92

- (5) यदि अस्पतान में प्रमृति माननां से सबधित चिकित्सीय सेवा की व्यवस्था है तो कम से कन एक ऐते अनत्रपूर्व कक्ष की व्यवस्था की गई है जिसमें कम से कम 180 वर्ध कृट का फर्ण है।
- (6) शस्त्रकर्म शाला और प्रयपुत्र कक्षों को भ्रापूर्वित में रखा गया है।
- (7) कर्नाध्यारूक निसंग कर्मवाश्यिक्य इयूटी कक्ष की व्यवस्था की गई है।
- (s) औषधियों, स्नाद्य वस्तुमों, उत्तरकर आदि के भग्नरण के लिए पर्याप्त स्थात की व्यवस्था की है।
- (9) श्रम्पताल था निमंग श्रीम में उपयोग में लाया गया जन पीने के लिए उपयुक्त है।
- (10) पूर्तित और सकामक रोशियों को अनग करने के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई है।
 - (11) ग्रस्पलाल में निम्नलिखित की व्यवस्था की गई है और यह उनका अनुरक्षण करना है --
 - (क) उच्च वाम विसंक्रमित्र और उपकरण विसंक्रमितः;
 - (শ্ব) आक्रिमजन सिलेंडर और श्राक्ष्मिजन देने के लिए श्रावण्यक सलग्नक,
 - (ग) पर्याप्त शस्त्रकर्म उत्तर्कर, उपकरण और पाधित्र जिसके अंतर्गत अंतः शिरा साधित्र भी है;
 - (घ) रक्त, मृत्र और सल के परीक्षण के लि^ग. निकृति प्रयोग-णाला,
 - (ङ)क्ष्पेंक्ट्रो काज्ञियोग्राम मानिट्रन तत्र,
 - (च) बिजली जाने की दशा में तुरंप प्रयोग में लाए जाने के लिए जनित्त,
- (12) प्रत्येक बीम बिस्तरों या उससे कम के लिए नीबीस बढे कम से कस एक झिंद्रत डाक्टर उपलब्द है।
- (13) ऐसे भ्रस्पतालों में जहां सघन देखमाल एकक मुविधा के लिए ब्ययस्था की गई हो वहां ऐसे सघन देख भाल एकक में झनन्य रूप से कम मे कम दो श्रहित डाक्टर चौबीस घंटे ड्यूटी पर रहते हैं।
- (14) प्रत्येक पांच विस्तरों या उस से कम के लिए चीबीम घटे एक नर्स ज्यूटी पर है।
- (15) ऐसे भ्रस्पतालों में जहां संग्रन देखभाल एकक मुनिबा की व्यवस्था की गई हो वहां ऐसे सधन देख-भाल एकक प्रत्येक चार विस्तरों या उससे कम के लिए प्रतरा का से कप से कम चार नर्सों की व्यवस्था की गई है।
- (16) भ्रस्पताल प्रत्येक रोगी की श्रमिलेख रखना है जिसमे रोगी का नाम, पता, व्यवसाय, लिग, श्रायु, प्रवेश की तारीख और छुट्टी की तारीख. रोग के निवास तथा किए गए उपवार का व्योरा है।
- (2) धारा 17 के स्वड (2) के परन्तुक के खंड (ii) के उपखाड (स्व) के प्रयोजन के लिए, विहित रोग या व्याधियां निम्नलिखित होंगी, प्रयात्.--
 - (क) फैसर;
 - (ख) टी घी.;

(ग) गृड्स,

-_- -- -- --

- (घ) श्रदय, रक्त, अंतःस्तायो ग्रंथियां, ग्रस्थिमज्जा, म्यसन तल, केन्द्रीय तिवका तत्र, मूद्ध तत्र, जिगर, पिचाशय, पाचक तत्र, एडोकाइन ग्रंपियाया स्वता हे ऐसे रोग या व्यविधो जिनसे भस्त्रचस्य यो आयम्यकता है।
- (ङ) ब्रांख, कार्न, নাক या गले की ऐसी ब्याधिया रोग जिसमें शस्त्रकर्मकी की आवष्यकता है।
- (च) कंकाल नंत्र के किमी भाग में श्रस्थिमंग, कणेक्काश्रों की स्थात-च्यृति जिममें णस्त्रकर्मया विकताय उपचार की आवश्यकता है।
- (छ) स्त्री रोग या प्रस्तिरोग या व्याधि जिसमें गस्त्रकर्म नैप्रस्ति शस्त्रकर्म या अंतरवर्णी मध्यक्षेषण की ब्रावण्यकता है,
- (ज) (घ) में उिल्लिखित अंगो की व्याधियां या रोग जिनमें किसी ग्रस्पताल में कम में कम निरतर, तीन दिन की चिकित्सीय उपचार की भ्रावण्यकता है।
- (झ) स्त्री रोग या प्रमूति रोग या व्याधि जिसमें किसी श्रम्पताल में कम में कम निरंतर तीन दिन की चिकिश्मीय उपचार की श्रावश्यकता है।
- (त्र) जलने से क्षिति जिसमें किमी ध्रस्पताल में कम से कम निरतर मीन दिन की चिकित्सीय उपचार की ध्रावस्यकता है;
- (ट) मानसिक विकास-विक्षिप्त या मनोयिक्षिप्त जिसमें किसी भ्रस्पताल में कम से कम निरंतर तीन दित की चिकित्सीय उपचार की ग्रावण्यकता है।
- ं(ठ) औषधि व्यसन जिसमे किसी अस्यताल में कम से कम तिरंतर सात दिन की चिकित्सीय उपचार की श्रायश्यकना है।
 - (इ) तीव्रप्राही प्राधान जिसके अनर्गत इसूलिन ग्राघान, औषधि प्रतिक्रिया और ग्रन्य प्रस्यूर्जना संबंधी प्रकटन भी है जिसमें किसी प्रस्पताल में कम से कम निरंतर तोन दिन की चिकित्मीय उपचार की ग्रावण्यकता है।

प्रतीकरण इस नियम के प्रयोजन के लिए,-

- (क) "अहिन डॉक्टर" से कोई ऐसा व्यक्ति श्राभिन्ने हैं। जिसके पास भारतीय श्रायुविकान परिषद् वारा मान्यताप्राप्त कोई क्रियो है और जो किरी राज्य की श्रायुविज्ञान परिषद द्वारा रिजस्ट्रीकृत है।
 - (ख) नर्म से कोई ऐसा व्यक्ति प्रभिन्नेत है जिनके पास किसी सान्यताप्रास्त परिचर्या परिषय का प्रमाणपत्र है और जो नर्मों के रजिस्ट्रीकरण के लिए किसी विधि के मधीन रजिस्ट्रीकृत है,
 - (ग) "शस्त्रकर्म" क अतर्गत कोई ऐसा उपवार भी है जो ग्राधुनिक प्रणानी द्वारा किया जाए जैसे एक्ज्मोप्लास्टरी, ग्रापोहन, लिथोट्रासी, नेजर या शीत शल्य चिकिस्सा।'

[सं 9107/फा.सं 142/20/92-टीपीएल] के एम मुल्तान, निदेश (टी.पी॰एल II)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th October, 1992

INCOME-TAX

S.O. 758(E).—In exercise of the powers conferred by sub-clause (b) of clause (ii) of the proviso to clause (2) of section 17 read with section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely .—

Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Income-tax (Ninetcenth Amendment) Rules, 1992.

- 2. In Part II of the Income-tax Rules, 1962, in their publication in the Official Gazette.
- 2. In Part II of the Income-tax Rules, 1962, in sub-part A, after rule 3, the following shall be inserted namely:—

Ex mption of medical benefits from perquisite value in respect of medical treatment of prescribed diseases or ailments in hospitals approved by the Chief Commissioner.

- "3A. (1) In granting approval to any hospital for the purposes of sub-clause (b) of clause (ii) of the proviso to clause (2) of section 17, the Chief Commissioner shall satisfy aimself that the hospital is registered with the local authority and fulfils the following requirements namely:—
 - (1) The building used for the hospital complies with the municipal bye-laws in force.
 - (ii) The rooms are well ventilated, lighted and are kept in clean and hygienic conditions.
 - (iii) At least ten iorn spring beds are provided for patients.
 - (iv) At least one properly equipped operation theatre is provided with minimum floor space of 180 square feet and with a separate sterilisation room.
 - (v) At least one labour room is provided with nimum floor space of 180 square feet in e the hospital provides medical service maternity cases.

conditions are maintained in the on theatre and the labour room.

room is provided for the nursing duty.

quate space for storage of medicines, - good articles, equipments etc. is provided.

- (ix) The water used in the hospital or nursing home is fit for drinking.
 - (x) Adequate arrangements are made for isolating septic and infectious patients.
- (xi) The hospital is provided with maintains :—
 - (a) high pressure sterilizer and instrument sterilizer;
 - (b) oxygen cylinders and necessary attachments for giving oxygen;
 - (c) adequate surgical equipments, instruments and apparatus including intravenous apparatus;
 - (d) a pathological laboratory for testing of blood urine and stool;
 - (e) electro-cardiogram monitoring system,
 - (f) stand-by generator for use in case of power failure.
- (xii) There is at least one qualified doctor available on duty around the clock for every twenty beds or fraction thereof.
- (xiii) In hospitals providing Intensive Care Unit facilities, there are at least two qualified doctors available on duty around the clock exclusively for such intensive care unit.
- (xiv) One nurse is on duty around the clock for every five beds or a fraction thereof.
- (xv) In hospitals providing Intensive Care Unit facilities, there are at least four nurses provided exclusively for every four beds or fraction thereof for such intensive care unit.
- (xvi) The hospital maintains record of health of every patient containing information about the patient's name, address, occupation, sex, age, date of admission, date of discharge, diagnosis of disease and treatment undertaken.
- (2) For the purpose of sub-clause (b) of clause (ii) of the proviso to clause (2) of section 17, the prescribed diseases or ailments shall be the following namely:—
 - (a) cancer;
 - (b) tuberculosis;
 - (c) acquired immunity deficiency syndrome;
 - (d) disease or ailment of the heart, blood, lymph glands, bone marrow, respiratory system, central nervous system, urinary system, liver, gall bladder, digestive system, endocrine glands or the skin, requiring surgical operation;
 - (e) ailment or disease of the eye, car, nose or throat, requiring surgical operation;

- (f) fracture in any part of the skeletal system or dislocation of vertebrae requiring corgical operation or orthopaedic treatment;
- (g) gynaecological or obstetric ailment or disease requiring surgical operation, coescrean operation or laperoscopic intervention;
- (h) ailment or disease of the organs mentioned at (d), requiring medical treatment in a hospital for at least three continuous days;
- (i) gynaecological or obstetric ailment or disease requiring medica treatment in a hospital for at least three continuous days;
- (j) burn injuries requiring medical treatment in a hospital for at least three coninuous days;
- (k) mental disorder—neurotic or psychotic requiring medical treatment in a hospital for at least three continuous days;
- (1) drug adjection requiring medical treatment in a hospital for at least seven continuous days;

(iii) anaphylectic shocks including insulin shocks, drug reactions and other allergic manifestations requiring medical treatment in a hospital for at least three continuous days;

Explanation: For the purpose of this rule,-

- (a) "qualified doctor" means a person who holds a degree recognised by the Medical Council of India and is registered by the Medical Council of any State;
- (b) "nurse" means a person who holds a certificate of a recognised Nursing Council and is registered under any law for the registration of nurses;
- (c) "surgical operation" includes treatment by modern methodology such as angioplastry, dialysis, lithotropsy, laser or cryo-surgery.

No. 9107|F. No. 142|20|92-TPL1 K. M. SULTAN, Director (TPL-II)

Note: The principal rule viz. Income-tax Rules, 1962, as amended from time to time was made vide S.O. 969 dated 26-3-1962.